भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †2221

उत्तर देने की तारीख 02.12.2019

आदि महोत्सव मनाना

†2221. श्री गजानन कीर्तिकरः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री प्रतापराव जाधवः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनजातीय त्यौहार आदि महोत्सव मनाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या है तथा आदि महोत्सव का मुख्य विषय क्या है;
(ग) उक्त महोत्सव में देश के विभिन्न क्षेत्रों से कितने जनजातीय कारीगरों और कामगारों ने भाग लिया है;
(घ) ऐसे महोत्सव द्वारा जनजातीय कारीगरों को कितना वित्तीय लाभ मिलने की संभावना है;
(ड) क्या सरकार का विचार संपूर्ण देश के विभिन्न शहरों में चालू वित्त वर्ष में ऐसे और महोत्सव आयोजित करने का है और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त के लिए केन्द्र सरकार द्वारा कितनी निधि आवंटित और जारी की गई है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क): जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) ने 2018 के दौरान दिल्ली में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) के सहयोग से "आदि महोत्सव" नामक राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव का आयोजन किया।

(ख): राष्ट्रीय जनजातीय उत्सव (आदि महोत्सव) के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोक नृत्य, संगीत, पाक कला, चित्रकला , कला और शिल्प, औषधीय प्रथाओं आदि में पारंपरिक कौशल के प्रदर्शन तथा प्रदर्शनी के अनूठे रूपों के माध्यम से देश भर में जनजातीय लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाना है। 15 दिनों लंबे उत्सव में जनजातीय शिल्प प्रदर्शन , जनजातीय लोक प्रदर्शन और फैशन शो के अलावा जनजातीय कलाकृतियों, जनजातीय चिकित्सा, जनजातीय व्यंजनों की बिक्री शामिल है।

(ग): वर्ष 2018 के दौरान, 23 राज्यों के 350 से अधिक जनजातीय कारीगरों और कलाकारों, 20 से अधिक राज्यों के 80 जनजातीय रसोइयों और 200 से अधिक कलाकारों सहित 14 नृत्य मण्डलियों ने उत्सव में भाग लिया और 196 स्टालों के माध्यम से इस उद्देश्य के लिए अपने विभिन्न हस्तशिल्प और हथकरघा को प्रदर्शित किया / बेचा।

(घ): वर्ष 2018 के दौरान, 18.00 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ , जो वर्ष 2017-18 की तुलना में 4 गुणा था (2017 में 4.5 करोड़ रुपये)।

(ड) तथा (च): वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान , नई दिल्ली (16-30 नवंबर 2019) को आयोजित होने वाले उत्सव के अलावा , मंत्रालय और ट्राइफेड ने अब तक ऊटी , लेह, शिमला, विशाखापत्तनम, नोएडा, पुणे, इंदौर और भुवनेश्वर में आठ ऐसे उत्सवों का आयोजन किया है, जिसमें लगभग 1050 जनजातीय कारीगरों ने भाग लिया और लगभग 3.30 करोड़ रूपये की प्रत्यक्ष बिक्री हुई। निम्नलिखित स्थानों पर इस तरह के उत्सव के आयोजन के लिए ट्राइफेड को पहले ही निधियां प्रदान की जा चुकी हैं:

क्र.सं.	स्थान	ट्राइफेड को आवंटित/निर्मुक्त निधि (लाख रू. में)
1.	वाराणसी	40.00
2.	गोवा	40.00
3.	रांची	40.00
4.	दिल्ली हाट	400.00
5.	जयपुर	40.00
6.	लखनऊ	40.00
7.	भोपाल	40.00
8.	पोंडीचेरी	40.00
9.	प्रयागराज	40.00
10.	बैंगलोर	40.00
11.	पटना	40.00
12.	हैदराबाद	40.00
13.	अहमदाबाद	40.00

******